दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास
दि. 21 फरवरी, 2021

राष्ट्रभाषा प्रवीण उत्तरार्द्ध–3
RASHTRABHASHA PRAVEEN UTTARARDH–3

समय : 3 घंटे] **[पूर्णांक : 100**

1. रूप-रेखा देते हुए किन्हीं दो विषयों पर निबंध लिखिए :– 30

1) हिन्दी कविता में राष्ट्रीय विचारधारा
2) हिन्दी का स्वर्णयुग : भक्तिकाल
3) सूर सूर तुलसी शशि
4) मुसलमानों की हिन्दी सेवा
5) गाँधीवाद
6) राजभाषा का स्वरूप

2. किन्हीं तीन का उपयोग समझाइए :– 15

1) कार्यालय ज्ञापन
2) सामान्य सरकारी पत्र
3) अर्ध सरकारी पत्र
4) पृष्ठांकन
5) अधिसूचना

3. कार्यालय आदेश का नमूना लिखिए। 15

अथवा

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई-17 को व्यवस्थापक पद के लिए एक आवेदन पत्र लिखिए।

4. निम्नलिखित गद्यांश को संक्षेप में लिखिए :– 10

यह बड़ी विडम्बना है कि सुख सुविधाओं के साधनों के विस्तार के साथ जीवन में जटिलता, विषमता, अनावश्यक घुमाव फिराव संक्षेप में कहे तो अशान्ति के साधन बढ़ गये हैं। मनुष्य के मन में प्रेम सहानुभूति और पारस्परिक उपादेयता की भावना के बदले में ईर्ष्या, घृणा, द्वेष और भ्रष्टाचार की अभिरुचि बढ़ती जा रही है। मनुष्य पौष्टिक आहार का सेवन तो करता है पर दुर्बलता, थकान और शैथिल्य का भी शिकार बन गया है। पडोसी का भाव लुप्त-सा हो गया है। स्थायी रूप से शान्ति एवं आनन्द की प्राप्ति किस प्रकार हो, परस्पर प्रेम और स्नेह सम्बन्ध का उदय कैसे हो, रोग रहित स्वस्थ जीवन की प्राप्ति कैसे हो, ये सारी बातें आज जिन्दगी में जबर्दस्त कशमकश पैदा कर रही हैं।

5. अपनी प्रांतीय भाषा में अनुवाद कीजिए :– 15

परिश्रम केवल आवश्यक ही नहीं है, बल्कि उससे मनोविनोद भी होता है। बिना परिश्रम के जो जीवन हमें भार मालूम होता, वह परिश्रम करने से बहुत आनंददायी जान पड़ता है। हमारा जीवन, कुछ अंशों में, प्रकृति के विपरीत और कुछ अंशों में उसके अनुकूल है। पृथ्वी, वायु, सूर्य आदि हमारे जीवन के लिए आवश्यक शक्तियों को निरंतर हममें से खींचते रहते हैं। इसलिए उनकी पूर्ति के लिए हमें भोजनादि करना और गरम रहने के लिए कपड़ा पहनना पड़ता है।

6. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :– 15

உலகம் போற்றும் விஞ்ஞானி ஜகதீஷ் சந்திர போஸ் தற்பொழுது பங்களாதேசில் உள்ள டாக்கா ஜில்லாவில் 1858 கி.பி. நவம்பர் 30 ஆம் தேதி பிறந்தார். உதவி மாஜிஸ்டிரேட் பதவி வகித்த அவருடைய தந்தை பகவான் சந்திரபோஸ் பொது மக்களிடம் அன்பு கொண்டவராகவும், சுதந்திர உணர்ச்சியுள்ள உயர் குணம் படைத்தவராகவும் மதிக்கப்பட்டார். அவர் ஜகதீசுக்கு இந்தியாவில் அப்பொழுது சிறந்ததெனக் கருதக் கூடிய கல்வி முறைகளில் பயிற்சி அளித்தார்.

(तमिल)

జె.సి. బోసు 1858వ సంవత్సరం నవంబరు 30న ఇప్పటి బంగ్లాదేశ్‌లోని ఢాకా జిల్లాలో జన్మించారు. నైతిక స్వాతంత్ర్యాన్ని పరిరక్షించుకొనటంలోను, సామాన్య ప్రజలను ప్రేమించుటలోను కీర్తి వడసిన భగవాన్‌చంద్రబోస్ అతని తండ్రి. ఆయన ఒక డిప్యూటి మేజిస్ట్రేటు. ఆయన తన కుమారునకు దేశంలో ఆనాడు లభించగల అత్యుత్తమ విద్యను నేర్పించుటకు ప్రయత్నించాడు.

(तेलुगु)

ಜೇ.ಸಿ. ಬೋಸರು ಹುಟ್ಟಿದ್ದು ಈಗ ಬಾಂಗ್ಲಾದೇಶದಲ್ಲಿರುವ ಢಾಕಾ ಜಿಲ್ಲೆಯಲ್ಲಿ, ೩೦ನೆಯ ನವೆಂಬರ್ ೧೮೫೮ರಲ್ಲಿ, ಅವರು ಇದೇ ಹೆಸರಲ್ಲಿ ಪ್ರಸಿದ್ಧರು. ಅವರ ತಂದೆ ಭಗವಾನ್ ಚಂದ್ರ ಬೋಸರು ಡೆಪ್ಯುಟಿ ಮೇಜಿಸ್ಟ್ರೇಟ್ ಆಗಿದ್ದರು. ತಮ್ಮ ಸ್ವಂತ ವಿಚಾರವಂತಿಕೆಗೂ ಸಾಧಾರಣ ಜನರ ಬಗ್ಗೆ ಒಲವಿಗೂ ಅವರು ಹೆಸರುವಾಸಿ. ದೇಶದಲ್ಲಿ ದೊರಯುತ್ತಿದ್ದ ಉತ್ತಮೋತ್ತಮ ಶಿಕ್ಷಣವನ್ನು ಅವರು ಜಗದೀಶರಿಗೆ ಕೊಡಿಸಿದರು.

(कन्नड)

മാലോകർ വാഴ്ത്തുന്ന ശാസ്ത്രജ്ഞൻ ജഗദീശ് ചന്ദ്രബോസ് ഇന്നത്തെ ബംഗളാദേശത്തിലെ ഢാക്കാ ജില്ലയിൽ കി.പി. 1858 നവംബർ 30-ാം തീയതി ജനിച്ചു. ഡെപ്യൂട്ടി മജിസ്ട്രേറ്റ് സ്ഥാനം വഹിച്ച അദ്ദേഹത്തിന്റെ പിതാവ് ഭഗവാൻ ചന്ദ്രബോസ് പൊതുജനസ്നേഹത്തിനു് പാത്രീഭവിക്കുകയും സ്വതന്ത്ര ചിന്താഗതിയുള്ളവനായി ബഹുമാനിക്കപ്പെടുകയും ചെയ്തിരുന്നു. അദ്ദേഹം ജഗദീശനു് അന്നത്തെ ഏറ്റവും ഉയർന്ന വിദ്യാഭ്യാസം നൽകി.

(मलयालम)

J.C. Bose - that is the name by which he is popularly knwon - was born in the district of Dacca, which is now in Bangla Desh, on the 30th November, 1858. His father Bhagavanchandra Bose was a Deputy Magistrate, who was noted for his independence of character and love for the common people. He tried to give Jagadish the best education then available in India.

(अंग्रेज़ी)

~ ~ ~ ~ ~ ~